द्वारका से सीधे रोहिणी का शॉर्टकट

डीडीए की एक्सटेंशन सड़कें, आउटर रिंग रोड और साउथ दिल्ली होंगे कनेक्ट

रास्ते सहूलियत के

- नॉर्थ वेस्ट में आउटर रिंग रोड के बाहर और साउथ दिल्ली में बन रही है रोड
- नरेला, रोहिणी, बवाना इंडिस्ट्रियल एरिया, द्वारका, इंटिग्रेट पैसेंजर टर्मिनल को कनेक्टिविटी
- दिल्ली के इंटीग्रेटेड डिवेलपमेंट के लिए करेगा बाई पास का काम
- करीब दो साल लगेंगे प्रोजेक्ट के पूरे होने में, इसके बाद लोगों का फायदा

Vikas Agarwal

पूनम पाण्डे ॥ नई दिल्ली

दिल्ली की मेन सड़कों से ट्रैफिक कम करने के लिए डीडीए तीन अर्बन एक्सटेंशन रोड (यूईआर) बना रहा है। नॉर्थ वेस्ट में आउटर रिंग रोड के बाहर और साउथ दिल्ली में यह रोड बनेंगी। ये सड़कें दिल्ली के इंटिग्रेटेड डिवेलपमेंट के लिए बाईपास का काम करेंगी। वैसे तो यह प्रोजेक्ट कई साल पहले ही प्लान कर लिया गया था लेकिन अतिक्रमण हटाने और जमीन अधिग्रहण में आ रही दिक्कतों की वजह से काम शुरू नहीं हो पाया।

कहां मिलेगा फायदा

ये तीन सड़कें महिपालपुर से रोहिणी, बवाना इंडस्ट्रियल एरिया, रोहतक रोड, नरेला आदि को डायरेक्ट लिंक करेंगी। इनके बन जाने के बाद गुड़गांव या द्वारका से आने वाले लोग सीधे रोहिणी की तरफ जा सकते हैं। अभी इन सब नैशनल हाइवे को कनेक्ट करने के लिए कोई रोड नेटवर्क नहीं है। ये सड़कें मास्टर प्लान रोड हैं जो नरेला, रोहिणी, बवाना इंडिस्ट्रियल एरिया, द्वारका, इंटिग्रेट पैसेंजर टर्मिनल को कनेक्टिविटी देंगी। कनेक्टिविटी देने के साथ ही यह सड़कें दिल्ली की मुख्य सड़कों से ट्रैफिक लोड भी कम करेंगी।

कब तक होगा तैयार

इन सड़कों पर काम शुरू कर दिया गया है। अर्बन एक्सटेंशन रोड -2 पर चार स्ट्रैच में काम शुरू हो गया है। एनएच-1 से दिल्ली करनाल रेलवे लाइन का स्ट्रैच पहले से बन चुका है। दिल्ली करनाल रेलवे लाइन से वेस्टर्न यमुना कनाल तक के लिए टेंडर मांगे गए हैं। वेस्टर्न यमुना कनाल से कंझावाला रोड और एनएच10 से बकरवाला हाउसिंग प्रोजेक्ट तक के लिए भी टेंडर फ्लोट हुए हैं। अतिक्रमण और जमीन अधिग्रहण जैसे मसलों से प्रोजेक्ट तेजी से आगे नहीं बढ़ पा रहा है। जहां यह सड़कें बननी हैं वहां कई जगहों पर अतिक्रमण है। डीडीए अधिकारी ने कहा कि हम जमीन अधिग्रहण करेंगे और पुनर्वास का मसला देख रहे हैं। इनमें 2 से 3 महीने और लग जाएंगे। अर्बन एक्टेंशन रोड-1 पर कुछ हिस्सा पहले ही बन चुका है। कुछ दिक्कत है जिसकी वजह से 2.5 किलोमीटर स्ट्रैच से काम आगे नहीं बढ़ पाया है। यूईआर- 3 में एनएच 10 से कंझेवाला रोड तक अतिक्रमण है। इस एरिया को छोड़कर बाकी में डीडीए ने सड़क बनाने का काम शुरू कर दिया है। कंझेवाला से वेस्टर्न यमुना कनाल तक रोड बन रही है। डीडीए के मुताबिक यह बहुत बड़ा प्रोजेक्ट है इसलिए इसमें वक्त लगेगा। दो साल में काम पूरा होने की उम्मीद कर सकते हैं। यूईआर-1 और यूईआर-3 में 80 मीटर चौड़ी सड़क है जबकि यूईआर-2 में 100 मीटर चौड़ी सड़क बन रही है।

आउटर रिंग पर एक और रोड

1 पहली सड़क वजीराबाद बाईपास से सीधे बिजवासन निकलेगी। यहां से सीधे छावला निकलेगी। यहां जाने के लिए फिर भीड़ भरी मेन रोड से गुजरने की जरूरत नहीं पड़ेगी। रानी खेड़ा से होते हुए यह सड़क बवाना जाएगी और वहां से नरेला औरर फिर बुराड़ी तक जाएगी। यानी यह सड़क वजीराबाद बाईपासे एनएच-1, एनएच-10 और एनएच-8 को जोड़ेगी। यह 57.24 किलोमीटर लंबी होगी।

2 दूसरी सड़क आगरा की तरफ जाते नैशनल हाइवे-2 से वसंत कुंज होते हुए सीधे द्वारका तक जाएगी। बकरवाला और मुंडका को भी इस सड़क से कनेक्टिविटी मिलेगी। फिर यह सड़क बरवाला तक जाएगी और अलीपुर होते हुए यह पहली सड़क से मिल जाएगी। यह नरेला से बुराड़ी तक तरफ जाने वाली पहली सड़क से मिलेगी। यह सड़क वजीराबाद बाईपास से एनएच1, एनएनच10, एनएच 8 और एनएच 2 को कनेक्ट करेगी। यह सबसे लंबी रोड होगी। इसकी लंबाई 73.78 किलोमीटर होगी।

3 तीसरी सड़क मुंडका से बरवाला होते हुए अलीपुर जाएगी और फिर यह भी पहली सड़क पर मिल जाएगी। यह बुराड़ी से पहले पहली सड़क पर मिलेगी। यह सड़क वजीराबाद बाईपास से एनएच 1 और एनएच10 को कनेक्टिविटी देगी। यह 20.8 किलोमीटर लंबी रोड होगी।